सेंट्रल स्कूलों की पहचान बदली, लोगो हुआ चेंज

नई दिल्ली (एसएनबी)। सेंट्रल स्कूलों की पहचान न सिर्फ स्कूल, विद्यार्थियों व उनके शिक्षकों से होती है, बल्कि प्रतीक चिन्ह यानी लोगो से भी होती है। यह लोगो विद्यार्थियों के बेल्ट पर बना होता है, साथ ही स्कूलों में केन्द्रीय विद्यालय के नाम के आगे भी बना रहता है। 2013 को गोल्डन जुबली वर्ष के तौर पर मनाते हुए केन्द्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) ने अपने लोगो को इस साल से बदल दिया है। दरअसल, अभी तक जो लोगो था, वह ज्यादा आकर्षक व प्रभावशाली नहीं था। पुराने लोगो से यह पूरी तरह से स्पष्ट नहीं हो पाता था कि वह क्या संदेश दे रहा है। इसी भ्रम को दूर करने व आकर्षक लोगो बनाने के उद्देश्य से केवीएस ने मौजूदा वर्ष से अपने लोगो को बदल दिया है।

नया लोगो

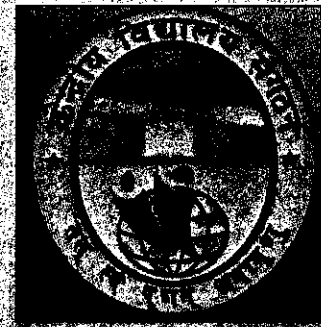
पुराना लोगो

▶ सात साल बाद फिर बदला केवी का लोगो
▶ पहले वाला लोगो प्रभावशाली नहीं दिखता था

नए लोगो में सूर्य की किरणें बनाई गई हैं। इसमें बनाए गए तिरंगे के दो रंगों हरे व केसरिया से तीन संदेश निकलते हैं। पहला संदेश जो राष्ट्रीयता का है, जो तिरंगे के माध्यम से दिखाया गया है। दूसरा इसमें किया गया दो रंगों का डिजाइन उड़ते हुए पक्षी की तरह नजर आता है। तीसरा उड़ते हुए पक्षी सरीखा यह डिजाइन दो पुस्तकों को भी दर्शा रहा है, जो ज्ञान का संदेश दे रहे हैं। नए लोगो में सूर्य की किरणों के बीच में 50 लिखा हुआ है, जो गोल्डन जुबली होने को लेकर लिखा गया है। वहीं इसके नीचे केवीएस की शुरुआत यानी 1963 से 2013 लिखा गया है। इसके नीचे तत त्वं पूषन अपावृणु और इसके नीचे केन्द्रीय विद्यालय संगठन लिखा गया है। अधिकारियों के अनुसार यह लोगो इस साल के लिए लागू किया गया है। अगले वर्ष से इसमें से 50 व वर्ष को हटा दिया जाएगा। इससे पूर्व वर्ष 2004 में केन्द्रीय विद्यालय का लोगो बदला गया था। पुराने वाले लोगो में सबसे ऊपर केन्द्रीय विद्यालय संगठन लिखा हुआ था। उसके नीचे आकाश और आकाश के नीचे सूर्य व इसके बीच में एक खुली पुस्तक बनी हुई थी। जबकि इसके नीचे पृथ्वी बनाया गया था, जिसके बीच में एक छात्र व छात्रा की कृति बनाई गई थी। यह लोगो काफी आकर्षक नहीं दिख रहा था।